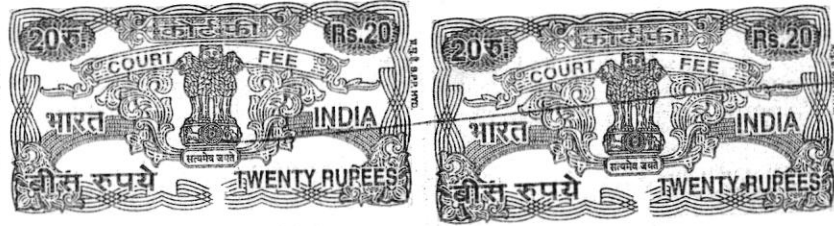


85

न्यायालय:-श्रीमान अध्यक्ष महोदय म०प्र० राजस्व मण्डल ग्वालियर, कैम्प  
रीवा, जिला-रीवा (म०प्र०)



R5218-II/17

R8.411-

संजय अग्रवाल आयु 48 वर्ष आत्मज गोविन्द अग्रवाल  
निवासी-वार्ड नं० 2 कोतमा, पो० व थाना-कोतमा  
तहसील-कोतमा, जिला-अनूपपुर (म०प्र०)

-----निगरानीकर्ता

प्रति

- (1) शैलेन्द्र सिंह बरगाही आत्मज लक्ष्मी सिंह बरगाही  
निवासी-वार्ड नं० 5 कोतमा
- (2) राजेन्द्र प्रसाद बरगाही आत्मज रामाधार बरगाही  
निवासी-वार्ड नं० 5 कोतमा  
दोनों पो० आ०-कोतमा, थाना व तहसील-कोतमा  
जिला-अनूपपुर (म०प्र०)
- (3) म०प्र० राज्य द्वारा हल्का पटवारी कोतमा  
तहसील-कोतमा, जिला-अनूपपुर (म०प्र०)

-----उत्तरवादीगण

आधिकाता श्री एस.जी.  
शोनी द्वारा पेशा 26-5-17

कलक ऑफ कोट  
राजस्व मण्डल म० प्र० ग्वालियर  
(सर्किल कोर्टी रीवा)

निगरानी विरुद्ध-आदेश, न्यायालय-श्रीमान  
(बी०एम० शर्मा) आयुक्त महोदय-शहडोल, सम्भाग शहडोल के  
न्यायालय राजस्व प्रकरण कमांक-75/अपील/2014-15, संजय  
अग्रवाल विरुद्ध शैलेन्द्र सिंह वगै० मे पारित आदेश दिनांक  
27/03/2017 के विरुद्ध  
निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र०भू०रा० संहिता 1959

मान्यवर

प्रार्थी/निगरानीकर्ता की ओर से निम्नलिखित आधार पर निगरानी प्रस्तुत  
कर निवेदन है:-

### संक्षिप्त मे प्रकरण के तथ्य


1. यह कि संक्षिप्त मे प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि: निगरानीकर्ता द्वारा राजस्व  
ग्राम-कोतमा स्थित भूमि ख०नं० 904 रकवा 0.085 हे० एवं भूमि ख०नं० 905 रकवा 0.210  
हे० कुल 2 किता भूमि सम्पूर्ण रकवा 0.295 हे० भूमि रजिस्टर्ड विक्रय पत्र  
दिनांक-05/04/2006 के माध्यम से, उत्तरवादी कमांक-1 के स्वामित्व से कय कर  
कब्जा देखल प्राप्त किया था तथा उक्त रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर, तहसीलदार  
कोतमा के न्यायालय मे नामान्तरण कार्यवाही किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया  
जिसके अन्तर्गत तहसीलदार कोतमा के न्यायालय नामान्तरण प्रकरण कमांक  
23/अ-5/2011-12 के माध्यम से दिनांक 15/12/2012 को आदेश पारित कर,

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

प्रकरण क्रमांक R 5218-II/17

जिला-भूपुर

पक्षकार का नाम संजय अग्रवाल - शैलेंद्र सिंह

(1)	(2)	(3)
27.12.17	<p>प्रकरण प्रस्तुत ।</p> <p>2-आवेदक तथा आवेदक अधिवक्ता की पुकार कराई गई किन्तु कोई उपस्थित नहीं। अतः संहिता की धारा 35 (2) के तहत प्रकरण आदम पैरवी में खारिज किया जाता है।</p> <p>3- आदेश की प्रति अधीनस्थ न्यायालय को भेजी जावे। तत्पश्चात प्रकरण पंजी से समाप्त होकर अभिलेखागार में संचय हेतु भेजा जावे।</p> <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	